केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 112 शुक्रवार 15 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

लोकायुक्त की टीम ने किया विकास कार्यों की जांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज विकासखंड के क्षेत्र पंचायत में व्याप्त अनियमितताओं की जांच करने को लेकर लोकपाल के यहां शिकायती की गई थी। इसी क्रम में एसडीएम हरैया विनोद पांडेय के नेतृत्व में जांच टीम तेलियाडीह गांव में सीसी रोड का निरीक्षण किया। टीम में एसडीएम के अलावा अभियोजन अधिकारी सुभाष व खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज प्रवीण कुमार शामिल रहे। जांच के दौरान जब तक सीओ कलवारी मौके पर पहुंचते तब तक एसडीएम की टीम चली गई। खंड विकास अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि रामशंकर यादव के शिकायती–पत्र में क्षेत्र पंचायत की नियमित बैठक न होने, बिना टेंडर के कार्य किए जाने, गुणवत्ता विहीन कार्य कराए जाने सहित कई बिंदुओं को लेकर शिकायत की थी। इसी मामले को लेकर डीएम की ओर से गठित जांच टीम पहुंची थी। मंगलवार को जांच टीम तेलियाडीह गांव में 115 मीटर सीसी रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी।

ग्राम प्रधान पर अश्लील हरकत के आरोप में मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया पुलिस ने एक युवती के साथ छेड़खानी के आरोप में ग्राम प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी तहसीलदार सिंह ने बताया कि घटना सोमवार रात की बताई गई है। तहरीर के आधार पर आरोपी प्रधान अशोक कुमार के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। हरैया थानाक्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह बीते 11 नवंबर की रात करीब आठ बजे शौच के लिए बाहर गई थी। आरोप है कि इसी दौरान प्रधान अशोक कुमार ने उसे गलत तरीके से पकड़ लिया और अश्लील हरकत की। उसे सड़क पर पटकर दिया। विरोध करने पर मोबाइल फोन तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी अशोक कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच एसआई संजय सिंह को सौंपी है।

विज्ञान के प्रोजेक्ट को सराहा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपदस्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीएम रवीश कुमार ने विज्ञान के क्षेत्र में छात्रों की रुचि और प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों को नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। भविष्य में ये युवा हमारे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डीएम ने शिक्षकों से कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बच्चों के साथ साझा करें, जिससे बाल वैज्ञानिक भविष्य में वैज्ञानिक नवाचारों का नेतृत्व कर सकें। विशिष्ट अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. ओमप्रकाश मिश्रा ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। डीआईओएस जगदीश शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलता है। बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने बच्चों की प्रशंसा की। कहा, विज्ञान के प्रति बच्चों की यह लगन हमारे समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

10 हजार की छिनैती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थानाक्षेत्र के रामजानकी मार्ग के पाऊं बनाहरा मोड़ पर बाइक सवार उचक्का एक व्यक्ति से 10 हजार रुपये छीनकर भाग गया। पीड़ित ने इसकी सूचना डायल 112 पर दी। पीआरवी टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और कलवारी थाने पर सूचना दी। कलवारी थानाक्षेत्र के धन्हवा मुडियारी निवासी मिथिलेश पुत्र शिवनगंल 10 हजार रुपये लेकर पाऊं बाजार में आलमारी खरीदने साइकिल से जा रहे थे। पाऊं बनाहरा मोड़ पर बाइक सवार अज्ञात ने रास्ता पूछा। इसी दौरान उसने मिथिलेश का हाथ उमेठ कर 10 हजार रुपये छीनकर भाग गया।

गरीबी हटाने के नाम पर कांग्रेस ने गरीबों को लूटा– मोदी

मुम्बई (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनवेल में विशाल जनसभा संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र को विकसित भारत के विजन का नेतृत्व करना है, बीजेपी और महायुति इसी संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। अपने संबोधन की शुरुआत में मोदी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे एक बार फिर रायगढ़ की इस मिट्टी को फिर से नमन करने का अवसर मिला है। रायगढ़ से मेरा एक आत्मीय और भावात्मक संबंध है। उन्होंने कहा कि 2013 में जब भाजपा ने मुझे पीएम पद का उम्मीदवार बनाया था, तब मैंने रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया था।

मोदी ने कहा कि 23 तारीख को जो नतीजे आने वाले हैं, उसकी गारंटी यहां दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें स्वराज की शपथ दिलाई थी। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वसज के साथ साथ सुसज के

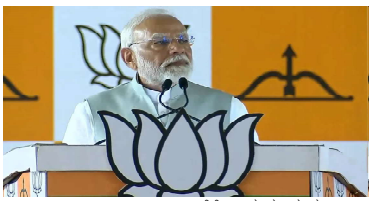

संकल्प को आगे बढ़ाना है। स्वराज का ये संकल्प तब पूरा होगा जब हमारा गरीब आगे बढ़ेगा। इस संकल्प की सिद्धि का काम केवल भाजपा और महायुति सरकार ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तो हमेशा गरीब को गरीब बनाए रखने के एजेंडे पर ही काम किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी ये लोग केवल गरीबी हटाओ का झूठा नारा देते रहे। गरीबी हटाओ के नारे के नाम पर कांग्रेस ने गरीबों को ही लूट लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए मेरा गरीब, जिंदगी की मुश्किलों से बाहर नहीं आ पाया। आजादी के 70 साल बाद भी देश के ज्यादातर लोग रोटी, कपड़ा और मकान पाने के लिए जूझते रहे। पिछले 10 वर्षों में पहली बार ये हालात बदले हैं। पहली बार कोई सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाई है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार की नीतियां आज शोषितों और वंचितों की ताकत बन रही है। जो काम 10 साल में हुए, वो काम पहले भी हो सकते थे। लेकिन कांग्रेस की सरकारों की मंशा ही नहीं थी कि गरीब आगे आकर अपना हक मांगे। इसलिए आज भी कांग्रेस गरीबों के लिए कल्याण की हर योजना का जमकर विरोध करती है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि जो 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, उन्हें मुफ्त राशन क्यों मिल रहा है। कांग्रेस चाहती है कि इन लोगों का खर्च बढ़े और ये फिर से गरीबी में चले जाएं। अगर अघाड़ी वालों को मौका मिला तो ये महाराष्ट्र में यही करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां वे गरीबों को मुफ्त राशन देने पर हमसे सवाल कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस के एक मंत्री ने हिंदुओं, मुसलमानों और घुसपैठियों को भी मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा की है। वे खुलेआम रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमुख उदाहरण है कि वोट पाने के लिए वे किस तरह देश और आपके बच्चों के भविष्य के साथ खेल खेल रहे हैं।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

मुम्बई (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि संविधान की लाल किताब कोरी है क्योंकि उन्होंने इसे कभी नहीं पढ़ा है। गांधी ने कहा कि संविधान में भारत की आत्मा और विरसा मुंडा, डॉ बी आर अंबेडकर और महात्मा गांधी जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों द्वारा परिकल्पित सिद्धांत शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मैं जनसभाओं में जो संविधान दिखाता हूं, वो खाली है। नरेंद्र मोदी जी के लिए संविधान खाली है, क्योंकि उन्होंने कभी इसे पढ़ा ही नहीं है। वे कहते हैं कि राहुल गांधी लाल रंग का संविधान दिखाता है। मोदी जी, इसके रंग से हमें फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जो इसके अंदर लिखा है, हम उसकी रक्षा के लिए जान देने को तैयार हैं।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान में गांधी द्वारा

प्रदर्शित लाल किताब को शहरी नक्सलवाद से जोड़ने की कोशिश की। वहीं, गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी और भाजपा ऐसी टिप्पणियां करके राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में आपको श्आदिवासीश् नाम दिया गया है। लेकिन बीजेपी–आरएसएस के लोग आपको 'वनवासी' कहते हैं। आदिवासी और वनवासी में बहुत बड़ा फर्क है। आपके इसी अधिकार को बचाने के लिए बिरसा मुंडा जी अंग्रेजों से लड़े थे। आज यही सोच लेकर नरेंद्र मोदी और बीजेपी के लोग घूम रहे हैं।

विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घोषणापत्र पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने कहा कि महिलाओं, किसानों और युवाओं को 3,000 रुपये मासिक सहायता और मुफ्त बस यात्रा, 3 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफी और 4,000 रुपये प्रति माह सहायता जैसे प्रावधानों से संरक्षित किया जाएगा। बेरोजगार युवा. उन्होंने जाति जनगणना की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र में आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्गों की संख्या और संसाधनों में उनकी हिस्सेदारी का पता लगाने में मदद मिलेगी।

जयन्ती पर याद किये गये प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पण्डित जवाहर लाल नेहरू की जयंती मनाई गई। वक्ताओं ने पण्डित नेहरू को युगदृष्टा बताते हुये कहा कि उन्होने आधुनिक भारत की नींव रखी थी। पूर्व विधायक अंबिका सिंह ने कहा पण्डित नेहरू ने भारत को समृद्ध करते हुये धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में दुनिया में एक पहचान दिलाया। पण्डित नेहरू ने 40 हजार किमी. की यात्रा कर 3.5 करोड़ देशवासियों को सम्बोधित कर जनभावनाओं को करीब से जाना परखा था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कांग्रेसी नर्वदेश्वर शुक्ल ने कहा पण्डित नेहरू ने स्वतंत्रता आन्दोलन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिये और गांधीजी के नेतृत्व में अंग्रेजों को परास्त कर भारत को आजाद कराया। उनकी सोच आधुनिक थी। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा पण्डित नेहरू सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री थे। वे बच्चों को भारत का भविष्य मानकर उन्हे असीम स्नेह देते थे। उनके अच्छे व महान कार्यों के चलते प्रधानमंत्री रहते हुये भारत रत्न से नवाजा गया। कार्यक्रम का संचालन मो. रफीक खां ने किया। पार्टी महासचिव अशोक श्रीवास्तव, जयंत चौधरी, राकेश पाण्डेय, अवधेश सिंह, लालजीत पहलवान, डीएन शास्त्री, बृजेश पाण्डेय, पिण्टू मिश्रा आदि ने भी सम्बोधित किया। शकुन्तला देवी, प्रमोद चौधरी, मंजू पाण्डेय, दीपेन्द्र सिंह, सुनील पाण्डेय, रामबचन भारती, यशराज केके, शेर मोहम्मद, दूधनाथ पटेल, शौकत अली नन्हू, सर्वेश शुक्ल, आनन्द, मो. अशरफ, संजीव त्रिपाठी, फिरोज खान आदि मौजूद रहे।

महिला दारोगा और डाक्टर के घर से लाखों की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर कोतवाली और मुंडेरवा थानाक्षेत्र में दिनदहाड़े चोरों ने एक चिकित्सक व एक महिला दरोगा के घर को निशाना बनाया। नगर पंचायत मुंडेरवा के पटेलनगर निवासी चिकित्सक के घर का दिन में ताला तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने लाखों रुपये का जेवर और 1.54 लाख रुपये कैश चोरी चुरा लिया। घटना के समय डॉक्टर ड्यूटी पर गए थे। उनकी पत्नी भी घर में ताला लगाकर अपने पुराने घर पर चली गई थीं। वहीं शहर के मूड़घाट की रहने वाली महिला दरोगा प्रीति शुक्ला के घर का ताला तोड़कर चोर 20 हजार नकदी चुरा ले गए। दोनों घटनाओं में पुलिस छानबीन में जुटी है। पटेलनगर के निवासी डॉ. सतीश चौधरी ने मुंडेरवा पुलिस को तहरीर दिया कि वह बस्ती जिला अस्पताल में ड्यूटी पर थे। पत्नी निर्मला वर्मा घर पर अकेली थीं। पत्नी निर्मला वर्मा एक बजे 200 मीटर दूर पुराने घर पर गयी थीं। तीन बजे वापस आईं तो मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। लौटने पर पता चला कि दरवाजे के साथ कमरे और अन्दर रखी आलमारी का ताला टूटा था। चिकित्सक के अनुसार उनकी बेटी भी यहीं रहकर पीएनबी में नौकरी करती हैं। बेटा लखनऊ में पढ़ाई करता है। बताया कि चोरों ने 1.54 लाख रुपये नकद तथा सोने की दो चेन, कान का झूमका, हार सेट, आठ अनूठी, दो झाला, मंगलसूत्र, दामाद का ब्रेसलेट, बेटी का हार, बेटी का चेन, मंगलसूत्र सहित अन्य सामान उठा ले गए। मौके पर सीओ स्वर्णिमा सिंह, प्रभारी थानाध्यक्ष कन्हैया पान्डेय तथा फोरेंसिक टीम पहुंची। पुलिस घटना की जांच–पड़ताल में जुटी है।

कोतवाली के मूड़घाट प्राइमरी स्कूल के पीछे चोरों ने दरोगा के घर को निशाना बनाया। दरोगा प्रीति शुक्ला जिले में वायरलेस विभाग में तैनात हैं। उनके पति सौरभ मिश्रा जिला अस्पताल में दंत स्वास्थ्य विज्ञानी के पद पर कार्यरत हैं। सौरभ ने बताया कि बच्चे सुबह स्कूल चले गए। इसके बाद वे और उनकी पत्नी प्रीति ड्यूटी पर चली गईं। दिन में करीब साढ़े 11 बजे पड़ोसी का फोन आया कि उनके घर का दरवाजा खुला है। घर पहुंचने पर देखा कि ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे और अलमारी में रखा 20 हजार कैश लेकर भाग गए। अन्य कमरों का ताला चोर नहीं तोड़ पाए। सूचना पर पहुंची बड़ेवन चौकी पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी।

बाल मेले में बच्चों ने लगाया विज्ञान प्रदर्शनी, भोज्य स्टाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विकासखण्ड के संविलियन विद्यालय रेवरादास के प्रांगण में बाल मेले का आयोजन गुरुवार को किया गया। जिसके अंतर्गत विज्ञान प्रदर्शनी और भोज्य स्टाल स्कूल के बच्चों द्वारा लगाया गया। बाल मेले का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया विजय आनन्द ने किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजीव शरण की अगुवाई में मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों का माल्यार्पण, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रतिभाओं को उड़ान देने में विज्ञान प्रदर्शनी व बाल मेला बहुत सहायक है यह आयोजन निश्चित रूप से बच्चों के भविष्य के लिए उपयोगी है। एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उदय प्रताप सिंह, संदीप सिंह, सुनील बौद्ध ने कहा कि इस तरह का आयोजन सभी विद्यालयों को करना चाहिए ताकि बच्चों की

–प्रतिभाओं को उड़ान देने में विज्ञान प्रदर्शनी, बाल मेला सहायक–विजय

प्रतिभाएं निखर सकें। बच्चों ने विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत प्रकाश संश्लेषण, ज्वालामुखी, मानव श्वसन तंत्र, उत्सर्जन तंत्र, कूलर, पौधे के भाग, सौरमंडल, ब्लड ग्रुप तथा भोज्य स्टाल के अंतर्गत गुलाब जामुन, चाऊमीन, सैंडविच, माइक्रोनी, भेलपुरी, ब्रेड पकोड़ा, समोसा, मोमोज आदि की प्रदर्शनी लगाई। भोज्य स्टाल पर जाकर अतिथियों ने भोज्य पदार्थों को चखा और उसकी सराहना किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र, चिन्मय राय, संजय कुमार, डॉ वंदना सिंह, राजरतन बौद्ध, अनिलधर दूबे, सीता कुमारी, अनीता वर्मा, मेवालती देवी आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय में बाल मेले का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर में गुरुवार को बाल मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय स्टेट बैंक हरैया शाखा के प्रबंधक विनीत चौधरी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने के उपरांत फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग की यह पहल बहुत ही सकारात्मक और अच्छी है। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के खेल एवं कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों द्वारा विद्यालय में स्टाल लगाकर विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक सामग्री का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि ने बच्चों में चॉकलेट, कलर बॉक्स और कॉपी का वितरण किया। विद्यालय के प्र

ानाध्यापक सन्तोष कुमार शुक्ल ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप तथा बीएसए के आदेश के क्रम में उक्त कार्यक्रम का आयोजन कर अभिभावकों को विद्यालय पर बुलाकर सम्मानित किया गया तथा बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित भी किया गया। उन्होंने बाल दिवस के अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर पीयूष मिश्र, गोविंद प्रताप सिंह, शिव भभूति सिंह, दुखहरण सिंह, सोमई, विद्यालय प्रबंध समिति की उपाध्यक्ष रीमा देवी, राम जनक, आरती देवी, कलावती, रजनी चंदा, रेहाना, सोनाक्षी, चांदनी, दिव्या, गरिमा, अंशिका, दर्पण, पायल, इरशाद, जय, अंश आदि उपस्थित रहे।

दो दिन में परीक्षा का आदेश वापस आरओ एआरओ पर गतिरोध बरकरार

प्रयागराज (आभा)। यूपीपीसीएस परीक्षा को लेकर चल रहे आंदोलन ने रंग दिखाया है। पीसीएस परीक्षा को लेकर छात्रों की मांग मान ली है। पीसीएस की परीक्षा अब पहले की तरह एक दिन एक शिफ्ट में कराई जाएगी। दो दिन परीक्षा का आदेश वापस हो गया है। जिलाधिकारी और आयोग के सचिव ने छात्रों के बीच आकर लाउडस्पीकर से यह घोषणा की। डीएम ने बताया कि सीएम योगी के आदेश पर आयोग ने यह फैसला लिया है। कुछ देर बाद इसका नोटिस भी जारी कर दिया गया। छात्र एक दिन एक शिफ्ट में कराने की मांग के साथ ही नॉर्मलाइजेशन का विरोध कर रहे थे। अब एक शिफ्ट में होने से नॉर्मलाइजेशन की जरूरत ही नहीं होगी।

वहीं, आरओ एआरओ की परीक्षा स्थगित करते हुए कहा गया कि इसके लिए समिति बनाई जा रही है। परीक्षा पर समिति फैसला लेगी। यह सुनते ही छात्र भड़क गए और आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। उनका कहना है कि यह

मामले को उलझाने का प्रयास है। पीसीएस की तरह आरओ एआरओ भी एक दिन एक शिफ्ट में कराने की लिखित घोषणा की जाए।

प्रयागराज में छात्र चार दिनों से पीसीएस और आरओ एआरओ परीक्षा एक दिन में एक शिफ्ट में कराने और नॉर्मलाइजेशन का विरोध कर रहे थे। आंदोलन के चौथे दिन गुरुवार को सुबह से ही आयोग के दफ्तर के अंदर और बाहर गहमागहमी कुछ ज्यादा ही थी। सुबह पहले छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ी और आयोग के गेट तक पहुंट गए। दोपहर में आयोग की बैठक शुरू हुई। करीब तीन बजे अध्यक्ष संजय श्रीनेत भी बैठक में पहुंचे। इसके बाद करीब सवा चार बजे डीएम और सचिव छात्रों के बीच पहुंचे।

डीएम ने लाउडस्पीकर पर कहा कि मुख्यमंत्री ने आयोग को छात्रों की समस्या का समाधान निकालने के लिए कहा था। इसके बाद आयोग ने छात्रों से बातचीत की। इसके बाद मुख्यमंत्री की पहल पर आयोग ने यह फैसला लिया है कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 सैद्धांतिक रूप से पहले की तरह एक दिन में कराने का फैसला लिया है। वहीं, आरओ एआरओ परीक्षा स्थगित करते हुए आयोग की तरफ से कहा गया है कि उसमें दस लाख से ज्यादा छात्र शामिल हो रहे हैं। ऐसे में समिति सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद फैसला लेगी। यह समिति जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट देगी। उसके बाद परीक्षा को लेकर फैसला किया जाएगा। इस ऐलान के बाद छात्र आंदोलन खत्म करने के मूड में नहीं है। उनका कहना है कि आरओ एआरओ परीक्षा स्थगित करने और समिति बनाने का फैसला लालीपाप की तरह है। जैसे पीसीएस की परीक्षा एक दिन में कराने का फैसला हुआ है उसी तरह आरओ एआरओ की परीक्षा भी एक दिन में कराई जाए। कहा कि सबसे ज्यादा करप्शन आरओ एआरओ में ही होता है। यह उसी करप्शन को बढ़ावा देने के लिए हो रहा है।

सेन्ट्रल एकेडमी में उत्साह से मनाया गया बाल दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में देश के प्रथम प्रधानमंत्री बच्चों के चाचा पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्म दिन उल्लास के साथ मनाया गया। निदेशक जे.पी. तिवारी, निदेशिका सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने बच्चों को बाल दिवस के महत्व की जानकारी देते हुये बताया कि बच्चे नेहरू जी को प्यार से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। पंडित नेहरू कहते थे कि बच्चे राष्ट्र के निर्माता हैं। बच्चे बगीचे में कलियों की तरह हैं और उनका ध्यान से और प्यार से लालन पालन किया जाना चाहिए, क्योंकि वे देश के भविष्य और कल के नागरिक हैं। श्री प्रकाश तिवारी ने बच्चों को सहज भाषा में बाल दिवस के महत्व परिचित कराया। कहा कि चाचा नेहरू बच्चों में भारत का भविष्य देखते थे।

प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने बच्चों को चाचा नेहरू के योगदान

के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बाल दिवस पर खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। निदेशक जे.पी. तिवारी ने सफल छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण–पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में आबिद अरशद, शैलेन्द्र, द्विजेन्द्र, अजय दूबे, साक्षी, उन्नति, दया, गीताजंलि, जया, महविश खान, आदि ने छात्रों को बाल दिवस के महत्व से परिचय कराया। इस अवसर पर 100 और 200 मीटर की दौड़, खोखो, छोटे बच्चों में जलेबी रेस कबड्डी, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्र–छात्राओं में मानसी, क्षिप्रा, मानवी यादव, आयुष, मयंक, प्रिन्स, आराध्या पाण्डेय, श्रेया, माही, कीर्ति दूबे, अर्चित, मयंक, समृद्ध, आशुतोष, देवांश, तनीषा, राजश्री, ज्योति, दिव्यांशी, सौम्या, गरिमा पाण्डेय, दर्पण, रौनक, शिवाकान्त, सृष्टि, आदिश्री, खुशी, सचिन, हर्षित दूबे, फरहान, सर्वेश, शाश्वत, शिवांश राय, अभिज्ञान बाल्मीकि, हर्षित दूबे, अलका, आराध्या, कार्तिक दूबे आदि ने खेल कूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 नवम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

जलवायु परिवर्तन और मंहगाई

केंद्रीय बैंक व सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद, देश में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के चलते खुदरा मुद्रास्फीति पिछले चौदह महीनों की ऊंचाई पर जा पहुंची हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की ओर से मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के छह फीसदी के संतोषजनक स्तर से ऊपर निकल गई है। आंकड़ों के अनुसार अक्तूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 6.21 प्रतिशत रही। ऐसे में खुदरा महंगाई के आरबीआई द्वारा निर्धारित संतोषजनक स्तर से ऊपर निकल जाने से इस साल दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कमोबेश ध्वस्त हो गई हैं। दरअसल, खुदरा महंगाई में यह वृद्धि सब्जियों,फलों, वसायुक्त वस्तुओं व तेलों की कीमतों में तेजी की वजह से हुई है। जो कि भारत की खाद्य आपूर्ति शृंखला में व्याप्त गहरी संरचनात्मक चुनौतियों का खुलासा करती है। साथ ही स्थिति में सुधार के लिये अविलंब सरकारी हस्तक्षेप की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से अक्तूबर की खाद्य मुद्रास्फीति दर का इस साल सबसे अधिक 10.87 फीसदी होना नीति–नियंताओं के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यह बढ़ती महंगाई एक महत्वपूर्ण संकेत भी देती है कि अस्थिर खाद्य कीमतें देश की संपूर्ण आर्थिक स्थिरता को कैसे बाधित कर सकती है। विशेष रूप से टमाटर और तेल जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी, कुछ प्रमुख वस्तुओं और आयात की जाने वाली चीजों पर देश की निर्भरता हमारी कमजोरी को ही दर्शाती हैं। इसमें दो राय नहीं कि हर साल वर्षा ऋतु में सब्जी उत्पादक राज्यों में अतिवृष्टि, बाढ़ आदि के कारण उत्पादन व आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो जाती है। वहीं अनियमित और ज्यादा बारिश से सब्जी व फलों को होने वाले नुकसान ने बता दिया है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। जिसकी आशंका हम कई वर्षों से जताते भी रहे हैं। अब इस चुनौती का युद्ध स्तर पर मुकाबला करने की जरूरत है।

बहरहाल, हमें गंभीरता से विचार करना होगा कि ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से सब्जियों के उत्पादन व आपूर्ति को कैसे सुरक्षित करें। ऐसे वक्त में जब कृषि उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन का सीधा प्रभाव नजर आया है, हमें मौसम के चरम में बेहतर उत्पादन देने वाली सब्जियों व अन्य फसलों की उन्नत किस्में तैयार करनी होंगी। साथ ही बेहतर भंडारण सुविधाएं जुटानी होंगी। जिससे बिचौलियों की मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाकर कृत्रिम महंगाई को रोका जा सकेगा। हम व्यावहारिक आयात रणनीति को अपनाते हुए सब्जियों व फलों के आपूर्ति पक्ष को मजबूत करें। कालांतर ये प्रयास खाद्य मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने में मददगार होंगे। हमें औद्योगिक उत्पादन में भी तेजी लाने की जरूरत है ताकि लोगों की आय बढ़ने से क्रय शक्ति में इजाफा हो। हालांकि, सितंबर में औद्योगिक उत्पादन में तीन फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन यह आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। दरअसल, कम वृद्धि उच्च मुद्रास्फीति के कारण उत्पन्न होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने में सहायक नहीं हो सकती है। वहीं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में यह मामूली वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था में सुस्ती को बताती है। निस्संदेह, मुद्रास्फीति में कमी किए बिना सुधार की गति को बनाये रखने में मुश्किल है। ऐसे में केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से उपभोक्ता मांग कम हो सकती है। कालांतर इसका असर निवेश पर भी पड़ सकता है। निश्चित रूप से तीव्र आर्थिक विकास के लिये मुद्रास्फीति के दबावों से उबरने की आवश्यकता है। इसके लिये कृषि उत्पादन व औद्योगिक प्रदर्शन में तेजी लाने की भी जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितताओं के बीच सरकार को घरेलू उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि करने के प्रयास करने चाहिए। जिससे हमें आपूर्ति शृंखला को अनुकूल बनाने में मदद मिल सके। साथ ही खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। बहरहाल, दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता के लिये जरूरी है कि देश बार–बार मुद्रास्फीति में होने वाली बढ़ोतरी को रोकने के लिये कृषि सुधारों को प्राथमिकता दे। जिससे कमजोर आय वर्ग के परिवारों को बढ़ती कीमतों के दबाव से राहत मिल सके।

महंगाई की बढ़ती मार और सरकार

—रोहित माहेश्वरी—

ऐसे में भारत में महंगाई बहुत कुछ नियंत्रित कही जा सकती है, लेकिन त्योहार के इन दिनों में महंगाई आम आदमी के लिए चिंता का कारण बन गयी है. हाल में भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में महंगाई में कुछ कमी आयी है, लेकिन अब भी महंगाई दर सहन क्षमता के ऊपर है.

अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर 6.2 फीसदी रही है। यह बीते 14 माह के उच्चतम स्तर पर है और भारतीय रिजर्व बैंक के 4–5 फीसदी के संतोषजनक स्तर से भी बहुत ज्यादा है। देश में हरी सब्जियों की कीमतें अक्टूबर में ही 42.2 फीसदी तक बढ़ी हैं। खाद्य और शीतल पेय वाले समूह में महंगाई सितंबर में 8.36 फीसदी थी, लेकिन अक्तूबर में बढ़ कर 9.69 फीसदी तक पहुंच गई। राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई में प्याज खुदरा में 70–80 रुपए प्रति किलो बेचा जा रहा है, जबकि महाराष्ट्र में ही नासिक सबसे अधिक प्याज का उत्पादन करता है। वहां की मंडियों में भी प्याज औसतन 50 रुपए किलो बेचा जा रहा है।

बाजार के जानकारों का आकलन है कि प्याज के दाम 100 रुपए किलो तक बढ़ सकते हैं और टमाटर इससे भी काफी महंगा बिक सकता है। सिर्फ सब्जियां ही नहीं, अनाज, दालें, खाद, खाद्य तेल और खेती के लिए अनिवार्य वस्तुएं भी महंगी हुई हैं। किसानों को रबी फसलें बोनी हैं, लेकिन बाजार में खाद का संकट है। खाद की दुकानों के बाहर लंबी–लंबी लाइनें लगी हैं। खाद की जो बोरी 50 किलो की मिलती थी, वह अब कम कर दी गई है, लेकिन बोरी 300 रुपए तक महंगी कर दी गई है।

किसान औसतन सस्ती फसल कैसे बो सकता है और उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य कैसे मिल सकता है? रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का आकलन है कि महंगाई अभी और बढ़ेगी। भारत सरकार और रिजर्व बैंक ने मिल कर तय किया था कि खुदरा महंगाई दर 4–5 फीसदी के बीच रहनी चाहिए। आदर्श स्थिति 4 फीसदी की है। अभी तक कोशिशें भी की गईं कि महंगाई वहीं तक सिमट कर रहे, लेकिन अब हदें लांघ दी गई हैं। सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.5 फीसदी पर पहुंच गई थी। बढ़ोतरी के संकेत वहीं से मिल गए थे। अब यह महंगाई दर 6.2 फीसदी हो गई है, जो सर्वाधिक है।

ये तमाम आंकड़े भारत सरकार के 'सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय' ने जारी किए हैं। जो संगठन निजी क्षेत्र में सक्रिय हैं, उनका डाटा भिन्न हो सकता है और महंगाई दर भी ज्यादा हो सकती है। बहरहाल अभी जो चुनाव किए जा रहे हैं, उनमें महंगाई प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं है। चुनावों में मुफ्तखोरी की रेवड़ियों की प्रतिद्वंद्विता है अथवा बांटने, काटने, डरने, मरने की ही चर्चाएं हैं। महंगाई के अलावा बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य सरीखे मुद्दों पर कभी भी जनादेश तय नहीं होते, जबकि ये आम आदमी की बुनियादी समस्याएं और जरूरतें हैं।

एसबीआई रिसर्च के मुताबिक, देश के 23 राज्यों में से छत्तीसगढ़ में, बीते एक साल के दौरान, महंगाई सबसे अधिक 6.4 फीसदी बढ़ी है। मप्र में 3 फीसदी, उप्र, बिहार, केरल, तमिलनाडु में 2.3 फीसदी महंगाई बढ़ी है। पंजाब और हरियाणा ऐसे राज्य हैं, जहां साल भर में महंगाई क्रमशरुः 0.4 फीसदी और 0.7 फीसदी ही बढ़ी है, लेकिन महंगाई दर 5 फीसदी से अधिक रही है। सिर्फ राजस्थान ही ऐसा इकलौता राज्य है, जहां महंगाई दर घटी है। देश में पांच राज्य ऐसे हैं, जहां महंगाई दर 7 फीसदी से ज्यादा रही। ओडिशा 7.5 फीसदी महंगाई दर के साथ इन राज्यों में शिखर पर है।

डाटा में यह भी बताया गया है कि 11 राज्यों में महंगाई दर 6 फीसदी से कम रही है। बहरहाल आकलन किया जा रहा है कि ऐसी बढ़ोतरी के बावजूद वित्त वर्ष 2024–25 में महंगाई दर औसतन 4.8 फीसदी रहेगी, जो रिजर्व बैंक के लक्ष्य की परिधि में है। गौरतलब यह है कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर अक्टूबर में 10.87 फीसदी रही है, जो सितंबर में 9.24 फीसदी थी।

बताया जाता है कि मौसम की अनिश्चितता से कई राज्यों में फसलें प्रभावित हुईं। आलू–टमाटर समेत प्रमुख सब्जियों के उत्पादन कम हुए। मांग और आपूर्ति में फासला बढ़ा। बहरहाल सरकारी आंकड़ों में महंगाई की जो भी तस्वीर सामने आती है, वह आम आदमी को चुभने वाली है। उसकी जेब पर असर पड़ रहा है। कोरोना महामारी के बाद आम आदमी की औसतन आय नहीं बढ़ी, बल्कि बचत भी मात्र 9 फीसदी रह गई है। ऐसे में वह महंगाई का सामना कैसे करे?

खाद्य कीमतों में भी गिरावट आनी चाहिए। कृषि वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। मुद्रास्फीति तभी उत्पन्न होती है जब किसी वस्तु या सेवा की प्रभावी मांग उपलब्ध आपूर्ति से अधिक हो जाती है। आपूर्ति की लागत और आपूर्ति की मात्रा मुद्रास्फीति के आपूर्ति–पक्ष की गतिशीलता को निर्धारित करती है। डीजल महंगा होता जा रहा है। गैस एवं उर्वरक की बढ़ती कीमतें इस सेक्टर को महंगाई से डरा रही हैं। याद रहे कि महंगा भोजन आबादी के स्वास्थ्य के लिए खतरा होता है। किसी भी स्थायी मुद्रास्फीति नियंत्रण के लिए कृषि उत्पादन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार को खाद्य मुद्रास्फीति को कम करने के लिए अपनी व्यापार नीति को सावधानीपूर्वक जांचते रहना चाहिए। साथ ही टमाटर, प्याज और आलू जैसी अस्थिर सब्जियों के लिए बफर स्टॉक बनाना चाहिए, जिससे किसानों को अधिक पैदावार के दौरान उनकी उपज के लिए स्थिर कीमतें प्राप्त करने में मदद मिल सके। इसके लिए कम लागत पर सौर ऊर्जा का उपयोग करते हुए कोल्ड स्टोरेज, बुनियादी ढांचे का विस्तार महत्वपूर्ण होगा। इससे सरकार कीमतों को कम करने के लिए जब मांग अधिक हो तब स्टाक को व्यवस्थित रूप से जारी कर सकती है।

वास्तव में, किसी समस्या का समाधान यह स्वीकार करने से शुरू होता है कि समस्या मौजूद है और महंगाई केवल राजनीतिक विषय नहीं है। वंचितों को थोड़ी मात्रा में अनाज वितरित करना अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। आम लोगों पर महंगाई की मार के दूरगामी असर होते हैं, जो उन्हें गरीबी की ओर धकेलते हैं। अभी लोगों को महंगाई की मार से कैसे बचाया जाए, यही सवाल हमारे लिए तात्कालिक महत्व का है। महंगाई नियंत्रित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

चूंकि देश में फसल कटाई के बाद की उपयुक्त व्यवस्था न होने से 12 से 14 फीसदी तक खाद्यान्न और करीब 35 फीसदी तक सब्जी और फलों की पैदावार बर्बाद हो जाती है, ऐसे में इस बर्बादी को रोकने के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग की कारगर व्यवस्था की डगर पर बढ़ना होगा। हम उम्मीद करें कि इन विभिन्न रणनीतिक प्रयासों से देश में खुदरा महंगाई को नियंत्रित किया जा सकेगा और चालू वित्त वर्ष 2024–25 में खुदरा महंगाई लक्ष्य के अनुरूप 4.5 फीसदी तथा आगामी वर्ष 2025–26 में चार फीसदी के दायरे में रहते हुए दिखाई दे सकेगी।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का कहना है कि अगले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, लेकिन मुद्रास्फीति विकास के खेल को बिगाड़ सकती है। अगर महंगाई बेकाबू हो गई तो आरबीआई के पास ब्याज दरें बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। यह अनिवार्य रूप से भारत की विकास दर पर भी असर डालेगा। बढ़ती महंगाई एवं उच्च मुद्रास्फीति के खतरे को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। केन्द्र सरकार को इस मुद्दे पर जरूर सोचना चाहिए। अगर महंगाई को तुरंत लगाम नहीं लगाई गई, तो गरीब व मध्यम वर्ग का जीना निश्चय ही कठिन हो जाएगा।

विकास में बाधक हैं मुफ्त की रेवड़ियां

—क्षमा शर्मा—

पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में अपने ही दल की सरकार की यह कहकर आलोचना की कि जो चुनावी वादे पूरे नहीं किए जा सकते, उन्हें न करें। वजह यह है कि सरकार बन जाने पर उन्हें पूरा करने में कठिनाई आती है। उनका आशय मुफ्त की उन योजनाओं से था, जिन्हें पूरा करने में सरकारी खजाने को खाली होने का डर होता है। हिमाचल प्रदेश के बारे में भी खबर आई ही थी कि वहां सरकारी खजाने का हाल यह है कि सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने तक के लिए संसाधन जुटाने में दिक्कत आ रही है। हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार ही है। लेकिन पक्ष–विपक्ष के नेताओं को चुनाव जीतने से मतलब होता है। सोच लिया जाता है कि बाद की बाद में देखेंगे। इसलिए खड़गे के बयान पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अरसे से देख रहे हैं कि सभी दल, जनता उन्हें वोट दे, वे किसी न किसी तरह चुनाव जीत जाएं, इसके लिए मुफ्त में सब कुछ देने का वादा करते हैं। वे भूल जाते हैं कि अपने ही किए गए वादों के जाल में फंस सकते हैं। फंसते हैं, तभी तो खड़गे ने ऐसा बयान दिया।

एक बार तमिलनाडु से आने वाली घरेलू सहायिका ने बताया था कि महीने भर का राशन– अनाज, चावल, दालें, तेल, मसाले आदि सब चीजें मुफ्त में हर एक के घर पहुंचा दी जाती हैं। महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त है। चुनावी घोषणापत्र में अनेक दल टीवी, मोबाइल, साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप, साड़ियां आदि देने का वादा करते हैं। पक्के घर, बिजली, पानी आदि भी देने के वादे किए जाते हैं। मुफ्त की चिकित्सा सुविधा भी। इन दिनों तो युवाओं, स्त्रियों, बुजुर्गों के खाते में सीधे हजारों रुपए भेजने की बातें की जाती हैं। ये पैसे कहां से आएंगे, इसकी चिंता किसी दल को नहीं होती। सारे पैसे मुफ्त में देने में ही खर्च हो जाएंगे, तो बाकी के कामों का क्या होगा।

कोई भी यह नहीं कहता कि लोग परिश्रम करें। न ही इसकी योजनाएं बनाई जाती हैं कि लोगों को अधिक से अधिक संख्या में काम पर कैसे लगाया जाएगा। वैसे भी अपने यहां कहावत है कि अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम। दास मलूका कह गए सबके दाता राम। यानी कि लोग भाग्य और अब सरकारों के भरोसे रहें। किसी भी देश को बर्बाद करना हो, तो लोगों को श्रम से मुंह मोड़ना और भाग्य के भरोसे रहना सिखा दें। यही अपने यहां हो रहा है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटें और कुछ रास्ता न बचे तो वर्ल्ड बैंक के सामने कटोरा फैलाकर कर्ज ले लिया जाए। वेनेजुएला जैसे फलते–फूलते देश की अर्थव्यवस्था इन रेवड़ियों के कारण किस तरह से बैठ गई, यह हम सबने देखा। और सोविवत संघ के पतन से भी हमने कुछ नहीं सीखा।

कुछ साल पहले बिजली का बिल ठीक कराने के लिए बिजलीघर गई थी। वहां पता चला कि फोटोकापी वाला इस काम को आसानी से करा देता है। कुछ पैसे देने होंगे। बार–बार आने और फिर भी काम न हो पाने के मुकाबले, कुछ पैसे देना उचित लगा। वहां पहुंची, तो फोटोकापियर एक आदमी से बात कर रहा था। वह आदमी कह रहा था कि पास ही की एक कालोनी में उसका पच्चीस गज का चार मंजिल का घर है। चारों मंजिल उसी के पास हैं। वह चाहता है कि हर मंजिल पर एक अलग मीटर लगा दिया जाए, जिससे कि किसी भी मंजिल का बिल दो सौ यूनिट से ज्यादा न आए और उसे बिजली का एक पैसा न देना पड़े। यानी कि खर्च तो आठ सौ यूनिट होंगी, मगर अलग–अलग मीटरों के कारण उसका बिजली का बिल शून्य होगा। कारण, दिल्ली की सरकार ने दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त में दे रखी है। यह तो एक उदाहरण है, लम्बे–चौड़े दिल्ली शहर में ऐसा कितने लोग करते होंगे, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है।

दरअसल, एक बार अगर मुफ्त की कोई योजना शुरू कर दी जाए तो फिर किसी भी दल की हिम्मत नहीं होती कि वह उसे खत्म कर दे। क्योंकि खत्म करते ही विरोधी उसके पीछे पड़ जाते हैं और अपना नुकसान होते देख, लोग चुनाव हरा देते हैं। इसके अलावा यह भी होता है कि आज आपने किसी को एक रुपया मुफ्त दिया है, तो वह कहता है कि एक रुपया तो पहले से ही मिलता है, वही दे रहे हो तो नया क्या दे रहे हो। वोट तो तब दें, जब ये बताओ कि इस एक रुपए से बढ़ाकर कितना दोगे। जितना मुफ्त मिलता जाता है, लालच बढ़ता जाता है।

कुछ साल पहले पास ही के उत्तर प्रदेश के शहर में साहित्य उत्सव में गई थी। वहां स्थानीय लोग बहुत थे। उनमें से बहुत से गांवों से आए थे। उनका कहना था कि अब गांवों में युवा काम करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि वहां लोगों को बहुत कुछ मुफ्त मिलता है, तो कोई काम क्यों करे। यह भी बताया कि बहुत से युवा इकट्ठे होकर, दिन भर जुआ खेलते रहते हैं। चूंकि खाली हैं, तो लड़ाई–झगड़ा और अपराधों का ग्राफ भी बढ़ा है। यह सिर्फ एक स्थान की बात नहीं है। भारत भर से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अब काम करने वाले आसानी से नहीं मिलते।

खटाखट–फटाफट के चक्कर में लोग इस बात से आश्वस्त हो जाते हैं कि उन्हें अब खाने–पीने और पैसे की दिक्कत नहीं होगी, तो बिना मतलब काम क्यों किया जाए। परिश्रम न होने के कारण गांवों में, कम उम्र में ही वे बीमारियां बढ़ रही हैं, जिन्हें बड़ी उम्र के रोग कहा जाता था।

तमाम बड़े अर्थशास्त्री मुफ्त की योजनाओं को किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक मानते हैं, मगर दलों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। नकली समाजवाद का रोग अपने देश में इस कदर फैला है कि सब कुछ फ्री में चाहिए। जबकि एक मशहूर वाक्य हैदू लंच इज नाट फ्री। यानी कि पूंजीवाद में कुछ भी मुफ्त नहीं होता। एक तरफ जीडीपी कैसे बढ़े, इसके लिए सरकारें रोती रहती हैं, मगर सब कुछ मुफ्त–मुफ्त के वादे करके लोगों का परिश्रम से मुंह मोड़ती हैं। चरैवेति–चरैवेति का मतलब मात्र चलना नहीं है। बल्कि जीवन के लिए जो भी जरूरी सुविधाएं हैं, उनके लिए कठिन परिश्रम करना है।

लोकतंत्र की यह सबसे बड़ी मुसीबत भी है कि नारा दिया जाता है कि जनता मालिक है, लेकिन मालिक बनते ही लोग किसी के लिए काम करने के मुकाबले, मुफ्त की योजनाओं की बाट देखने लगते हैं। सारे राजनीतिक दल इसे खूब हवा भी देते हैं। इन्हें बदला जाए और इस देश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार देकर उन्हें परिश्रम की तरफ मोड़ा जाए, तभी देश का सही विकास हो सकता है।—लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जातियों में उलझी राजनीति

—संजय सक्सेना—

यह बात समझ से परे है कि गैर भाजपा दलों के नेताओं को हिन्दू समाज में पिछड़े और दलित जाति के लोगों की ही चिंता क्यों सताती है। उनका ध्यान उन और दलित मुसलमानों की तरफ क्यों नहीं जाता है जो उच्च श्रेणी के मुसलमानों के कारण अपने अधिकारों से वंचित हैं। मुसलमानों में इन दलित और पिछड़े लोगों की पहचान पसमांदा समाज के रूप में है। दरअसल,भारतीय मुसलमान मुख्यतः तीन जाति समूहों में बंटा हुआ है इन्हें अशराफ,अजलाफ, और अरजाल कहा जाता है. ये जातियों के समूह हैं, जिसके अंदर अलग–अलग जातियां शामिल हैं. हिंदुओं में जैसे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र वर्ण होते हैं, वैसे ही अशराफ, अजलाफ और अरजाल को देखा जाता है. अशराफ में सैयद, शेख, पठान, मिर्जा, मुगल जैसी उच्च जातियां शामिल हैं. मुस्लिम समाज की इन जातियों की तुलना हिंदुओं की उच्च जातियों से की जाती है, जिनमें ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य शामिल हैं. दूसरा वर्ग है अजलाफ. इसमें कथित बीच की जातियां शामिल हैं. इनकी एक बड़ी संख्या है, जिनमें खघस तौर पर अंसारी, मंसूरी, राइन, कुरैशी जैसी कई जातियां शामिल हैं. कुरैशी मीट का व्यापार करने वाले और अंसारी मुख्य रूप से कपड़ा बुनाई के पेशे से जुड़े होते हैं. हिंदुओं में उनकी तुलना यादव, कोइरी, कुर्मी जैसी जातियों से की जा सकती है. तीसरा वर्ग है अरजाल. इसमें हलालखधेर, हवारी, रज्जाक जैसी जातियां शामिल हैं. हिंदुओं में मैला ढोने का काम करने वाले लोग मुस्लिम समाज में हलालखधेर और कपड़ा धोने का काम करने वाले धोबी कहलाते हैं. अरजाल में वो लोग हैं, जिनका पेशा हिंदुओं में अनुसूचित जाति के लोगों का होता था. इन मुसलमान जातियों का पिछड़ापन आज भी हिंदुओं की समरूप जातियों जैसा ही है.

राज्यसभा के पूर्व सांसद और पसमांदा मुस्लिम आंदोलन के नेता अली अनवर अंसारी कहते हैं कि मुसलमानों में भी जाति प्रथा हिंदुओं की तरह ही काम करती है. विवाह और पेशे के अलावा मुसलमानों में अलग–अलग जातियों के रीति रिवाज भी अलग–अलग हैं. मुसलमानों में भी लोग अपनी ही जाति देखकर शादी करना पसंद करते हैं. मुस्लिम इलाकों में भी जाति के आधार पर कॉलोनियां बनी हुई दिखाई देती हैं. कुछ मुसलमान जातियों की कॉलोनी एक तरफ बनी हुई है, तो कुछ मुसलमान जातियों की दूसरी तरफ. पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल में तुर्क, लोधी मुसलमान रहते हैं. उनके बीच काफी तनाव रहता है. उनके अपने–अपने इलाके हैं. राजनीति में भी ये देखा जाता है.अली अनवर कहते हैं कि जीने से लेकर मरने तक मुसलमान जातियों में बंटा हुआ है. शादी तो छोड़िए, रोटी–बेटी का रिश्ता भी नहीं है एक दो अपवाद को छोड़कर.जाति के आधार पर कई मस्जिदें बनाई गई हैं. गांव–गांव में जातियों के हिसाब से कब्रिस्तान बनाए गए हैं. हलालखधेर, हवारी, रज्जाक जैसी मुस्लिम जातियों को सैयद, शेखद, पठान जातियों के कब्रिस्तान में दफनाने की जगह नहीं दी जाती. उनके अनुसार, कई बार तो पुलिस को बुलाना पड़ता है.मुसलमानों में कम से कम 15 ऐसी जातियां हैं, जिन्हें अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए. मुसलमानों में जो पिछड़ी जातियां हैं, उन्हें ओबीसी कैटेगरी में रखा गया है, लेकिन उससे हलालखधेर जैसी जातियों के लोगों को कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि उनका पिछड़ापन हिंदू दलितों जैसा है.

इस संबंध में प्रो. तनवीर फजल बताते हैं कि धर्म परिवर्तन के समय लोग अपने साथ अपनी अपनी जातियां भी लेकर आए. इस्लाम धर्म अपनाने के बाद भी उन्होंने जाति को नहीं छोड़ा. उत्तर प्रदेश के जिन राजपूतों ने मुस्लिम धर्म अपनाया, वे अभी भी अपने नाम के साथ चौहान लिखते हैं. खुद को राजपूत मानते हैं. यह भी माना जाता है कि जो तुर्क, मुगल और अफगान भारत में आए. उन्होंने अपने लोगों को शासन व्यवस्था में ऊंचा स्थान दिया और यहां के लोगों को कमतर निगाहों से देखा. प्रोफेसर फजल के अनुसार हो सकता है कि वहां से भी इसकी शुरुआत हुई हो.

खैर, यह सब बातें इस लिये बताई जा रही थीं क्योंकि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा था कि यह लोग मुसलमानों में दलित और पिछड़ों की बात क्यों नही करते हैं।

बहराइच हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता खुर्शीद अहमद को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। बहराइच पुलिस ने महाराजगंज में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायिक अभिरक्षा में लिया जाएगा। 13 अक्तूबर को बहराइच के महाराजगंज में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता खुर्शीद अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हिंसा को अंजाम देने के बाद वह नेपाल जाकर छिप गया था। उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में लिया जाएगा। अपर पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी महसी रवि खोखर ने बताया कि कमल शंकर चतुर्वेदी थानाध्यक्ष हरदी के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा बीते 13 अक्तूबर को कस्बा महराजगंज मे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के समय हुई हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता खुर्शीद अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खुर्शीद अहमद द्वारा दुर्गा मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा में सांप्रदायिक भावना से दुष्प्रेरित होकर सुनियोजित तरीके से अवरोध उत्पन्न किया गया, जिसके बाद सांप्रदादियक हिंसा हुई। विवेचना के क्रम में यह भी प्रकाश में आया कि खुर्शीद अहमद द्वारा ही इससे पूर्व गणेश मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा में भी सांप्रदायिक भावना से विघ्न उत्पन्न किया गया था। दुर्गा मूर्ति विसर्जन में सांप्रदायिक घटना को अंजाम देने के बाद खुर्शीद अहमद अन्तरराष्ट्रीय सीमा पार कर कई दिनों तक नेपाल में जाकर छुप गया था। बृहस्पतिवार को स्थानीय पुलिस द्वारा खुर्शीद अहमद को गिरफ्तार कर न्यायायिक अभिरक्षा में निरुद्ध करने हेतु न्यायालय के समक्ष उपस्थित किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा मेले में सादे कपड़ों में तैनात रहेंगी महिला पुलिसकर्मी

संवाददाता–गोण्डा। पौराणिक कार्तिक पूर्णिमा तिर्रे मनोरमा मेले में रेतीले मैदान पर तंबू नगरी सजती जा रही है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ या अन्य वारदात घटित होने का खतरा बढ़ ना जाए इसके लिए मोतीगंज थानाध्यक्ष ने पहले से ही टीम को अलर्ट कर दिया है । इस समस्या से निपटने व मनचलों की धरपकड़ के लिए एंटी रोमियो टीमों का गठन किया गया है। टीम में शामिल महिला पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में मेले में भ्रमणशील रहकर मनचलों पर शिकंजा कसेंगी।थानाध्यक्ष अनीता यादव ने बताया कि राजगढ़ बाजार से होकर गुजर रही तिर्रे मनोरमा नदी के तट पर कार्तिक पूर्णिमा मेले में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। लोग अपने परिवार की युवतियों व महिलाओं के साथ पूजा पाठ के लिए आते हैं। ऐसे में महिला के साथ किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। इससे न केवल छेड़छाड़ की घटनाओं में अंकुश लगेगा, बल्कि चेन, पर्स और मोबाइल फोन छीने जाने की घटनाओं में भी कमी आएगी। साथ ही श्रद्धालुओं को सुरक्षा का भी अहसास होगा। शुक्रवार को मेले में श्रद्धालुओं की संख्या एक लाख से अधिक के पार होने की पूर्ण संभावना है।

जिसको लेकर थानाध्यक्ष ने मेला में मेलार्थियों की सुरक्षा को लेकर मेला परिसर में चारों तरफ से बैरिकेटिंग वा पानी वालों रास्तों पर रस्सी बल्ली लगवा कर वहां पर वेरीकैटिंग करवा दी है जबकि भीड़ भाड़ वाले मुख्य चार जगह पर बेरीकैटिंग करवा कर वहां पर सुरक्षा के लिए पुलिस जवानों को तैनात कर दिया है।

बच्चों ने झटके 27 पदक

संवाददाता–महराजगंज। बेसिक शिक्षा परिषद की गोरखपुर स्टेडियम में आयोजित मंडलीय बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024 के दूसरे दिन महराजगंज की झोली में कुल 27 मेडल आया है। इसमें13 गोल्ड मेडल,आठ सिल्वर, छह ब्रांज मेडल मिला है। बच्चों की शानदार सफलता पर बीएसएस श्रवण कुमार गुप्ता समेत व्यायाम शिक्षकों ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए बधाई दी है। खेल प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर बालक संवर्ग में 200 मीटर, 400 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय छोटी देवीपुर पनियरा के अरविंद कुमार ने गोल्ड मेडल जीता। लंबी कूद में सिल्वर मेडल जीत कर मंडल चौंपियन के प्रबल दावेदार बने। जूनियर स्तर पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय समरधीरा लक्ष्मीपुर के अमरेश कुमार ने 100 मीटर व 600 मीटर में गोल्ड मेडल जीता।

छात्रा बबिता बनी एक दिन की प्रधानाचार्य

संवाददाता–महराजगंज। महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत चंद्रा चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल आनंदनगर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की छात्रा बबिता यादव को एक दिन का प्रधानाचार्य बनाया गया। एक दिन के लिए प्रधानाचार्य बनने के बाद बबिता यादव ने शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए छात्रों में अनुशासन को जरूरी बताया। प्रधानाचार्य का कार्यभार देखा।

प्रधानाचार्य जगमोहन मिश्रा ने छात्रा बबिता यादव को कुर्सी पर बैठाकर प्रधानाचार्य का पदभार ग्रहण कराया। बबिता ने शिक्षकों के साथ सभी कक्षाओं का निरीक्षण करते हुए पठन–पाठन के कार्यों को देखा। कहा कि अनुशासित छात्र ही सफलता की बुलंदियों तक पहुंचते हैं। प्रत्येक छात्र का एक लक्ष्य होना चाहिए। बबिता ने सभी शिक्षकों को भी छात्रों को होने वाली परेशानियों से अवगत कराया। प्रबंधक एसएम श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान परिवेश में शिक्षक व छात्रों का आपस में समझ होना आवश्यक है।

प्रधानाचार्य जगमोहन मिश्रा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से छात्राओं में आत्मविश्वास जागृत होता है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी राजेश सहानी ने कहा कि आज के छात्र देश का भविष्य हैं।

मदरसा की छात्राओं से भरी स्कूली बस पलटी, पांच चोटिल

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवा क्षेत्र के बैरिया गांव के पास टूटी नहर पुलिया के पास सड़क पर चढ़ते हुए छात्राओं से भरी स्कूली बस पलट गई। इस हादसे के समय बस में 25 छात्राएं सवार थीं, जिनमें 5 छात्राओं को चोटें आई हैं। घायल छात्राओं का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

धनहा गांव में कुल्लिया आयशा निशवा मदरसा की यह स्कूली बस गुरुवार को बड़हरा गंजन गांव से 25 छात्राओं को बस लेकर मदरसा जा रही थी। रास्ते में ही बैरिया गांव के सामने नहर पुलिया पार करते ही सड़क किनारे खेत में पलट गई। घटना के बाद छात्राओं की चीख–पुकार मच गई। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और बस का शीशा तोड़कर बच्चियों को बाहर निकाला। वहीं हादसे के बाद

स्कूली बस चालक मौके से फरार हो गया।

बस में सवार छात्राओं के परिजन घटना स्थल पर पहुंचे और अपने बच्चों को इलाज के लिए साथ ले गए। दूसरी तरफ मदरसा प्रबंधन ने मदरसा में अनिश्चित कालीन छुट्टी की घोषणा भी कर दी है। इससे मदरसा में आवासीय रह रहीं छात्राओं के परिजन अपने बच्चों को घर ले जा रहे हैं। इस मामले में एसओ श्यामदेउरवा अभिषेक सिंह ने बताया कि हादसे की शिकार स्कूली बस को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। परिजनों को बुलाकर बच्चों को सुरिक्षित घर भिजवा दिया गया है। इस मामले में जरूरी कार्रवाई हो रही है।

पीआरडी जवान की हत्या मामले में लापरवाही पड़ी थानाध्यक्ष हनुमानगंज को भारी

संवाददाता–कुशीनगर। छितौनी नगर पंचायत में रात्रिगश्त के दौरान चार दिन पूर्व एक पीआरडी जवान की रॉड से ताबड़तोड हमला कर हत्या करने के मामले में एक सिपाही घटना के दूसरे दिन ही निलंबित हो गया था। इस मामले में एसपी ने सीओ खड्डा को जांच सौंपी थी।

पीआरडी जवान की हत्या के मामले में लापरवाही बरतना थानाध्यक्ष हनुमानगंज को भी भारी पड़ा है। एसपी ने उन्हें लाइनहाजिर कर दिया है। हनुमानगंज थाने के छितौनी कस्बा में ड्यूटी पर तैनात खड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम करदह के तिवारी टोला निवासी पीआरडी जवान रमाकान्त तिवारी 9 नवंबर दिन शनिवार की आधी रात 12 बजे भतीजा पीआरडी जवान आनंद तिवारी के साथ रात्रिगश्त कर रहे थे। उनके साथ सिपाही सत्यवान यादव की ड्यूटी लगी थी। रास्ते में घूम रहे विपिन से मुलाकात हो गई। उन्होंने उससे रात में घूमने का कारण पूछा तो वह उनसे उलझ गया। यह देख उनका भतीजा चौकी पर पुलिस कर्मियों को बुलाने चला गया। इतने में विपिन ने रमाकान्त को अकेला पाकर सिर पर रॉड से ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया। इससे वह बुरी तरह घायल हो गये। ड्यूटी पर तैनात सिपाही अगर साथ रहता तो युवक को रोकने के साथ उन्हें समय से इलाज कराने के लिए पहुंचा दिया होता। इससे उनकी जान बच गई होती। सिपाही की लापरवाही के कारण पीआरडी जवान की हुई मौत की जानकारी होने पर एसपी संतोष मिश्रा ने घटना के दूसरे दिन 10 नवंबर को सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। अब थानेदार को लाइनहाजिर कर दिया है।

संतोष कुमार मिश्रा, एसपी ने कहा कि पीआरडी जवान की हत्या के मामले में जांच चल रही है। इस मामले में पहले दिन ही एक सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया था। वहीं थानेदार को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा: जहां मां सीता ने लव–कुश को दिया था जन्म, लगेगा विशाल मेला

संवाददाता–श्रावस्ती। कार्तिक पूर्णिमा पर शुक्रवार को कई स्थानों पर मेले का आयोजन किया जाएगा। जहां मेलार्थियों के आने वाली भीड़ को देखते हुए सभी तैयारियां लगभग पूरी की जा चुकी हैं। वहीं प्रशासन ने भी मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए अलर्ट जारी किया है। आयोजित होने वाला कार्तिक पूर्णिमा मेला सीसीटीवी व ड्रोन की निगरानी में संपन्न कराया जाएगा। जहां सुरक्षा के मद्देनजर स्टेटिक, सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट मौजूद रहेंगे। कार्तिक पूर्णिमा पर आज शुक्रवार से इकौना के टड़वा महंथ स्थित सीताद्वार झील के किनारे चार दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। जहां पवित्र सीताद्वार झील में हजारों की संख्या में श्रद्धालु स्नान दान पुण्य कर झील के किनारे स्थित माता सीता का दर्शन करेंगे।

इसके साथ ही हरिहरपुर रानी क्षेत्र के लखरांव बाग, सिरसिया के कोयलहवा स्थित जनकपुर में पंचमुखी हनुमान मंदिर, विभूति नाथ मंदिर, ताल बघौड़ा, हरिहरपुर रानी क्षेत्र के लबेदपुर राजघाट, जमुनहा के जगपति नाथ, गिलौला के बेलकर, प्रहलादा कुट्टी, दिकौली के सगरा, खुरखुरी मोड़, बरदेहरा, भंगहा बाजार स्थित हनुमान मंदिर, भकला कुट्टी के कुड़िया समय स्थान, लेंगडी गूलर, कुर्बेनी, बेदौरा सहित जिले के कई अन्य स्थानों पर स्थित जलाशयों के किनारे विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। यहां आने वाले मेलार्थियों की भीड़ को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। किसी भी मेला परिक्षेत्र में वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इतना ही नहीं यहां मेलार्थियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों के साथ ही ड्रोन का भी सहारा लिया जाएगा।

इतना ही नहीं मेला परिसर को आने जाने वाले सभी प्रमुख मार्ग पर बैरियर लगा कर आने जाने वालों की निगरानी की जाएगी। जहां पुलिस के साथ ही स्टेटिक मजिस्ट्रेट भी मौजूद रहेंगे। मेलार्थियों को असुविधा न हो इसके लिए सीताद्वार में अस्थाई शौचालय, पेयजल के लिए पानी टंकी सहित सभी मेला क्षेत्रों में बिजली व पानी का इंतजाम किया गया है। झील में घाट से 10 फिट की दूरी पर बैरिकेडिंग लगवाई गई है। लोगों को चेतावनी के लिए लाल झंडी भी लगाई गई है। यहां आने वाली महिलाओं के स्नान के लिए अलग घाट व चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही पेयजल के लिए प्रमुख स्थानों पर हैंडपंप लगाए जा चुके हैं। इकौना के सीताद्वार में आज से लगने वाले तीन दिवसीय मेला परिसर को डीएम अजय कुमार द्विवेदी, एसपी घनश्याम चौरसिया ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने अश्लील नृत्य व फूहड़ गीतों पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया है।

पूर्वाचार्य महंत जानकी शरण को संतों ने किया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। कनक भवन परिसर स्थित सिद्धपीठ श्रीलालसाहेब दरबार के पूर्वाचार्य महंत जानकी शरण महाराज को संतों ने शिद्दत से याद किया। गुरुवार को संत–महंतों ने साकेतवासी महंत के चित्रपट पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया और भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संतों ने उनके कृतित्व–व्यक्तित्व का बखान किया। इस अवसर पर श्रीलालसाहेब दरबार के वर्तमान पीठाधिपति महंत रामनरेश शरण महाराज ने कहा कि मठ में गुरुदेव का पांचवा पुण्यतिथि महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। वह गौ और संत सेवी होने के साथ–साथ भजनानंदी संत रहे। जो अप्रतिम प्रतिभा के भी धनी संत थे। उन्होंने आजीवन मठ का सर्वांगीण विकास किया।

उसका कार्यभार संभाला। मठ की उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। जहां ठाकुर जी की सेवा संग गौ, संत, विद्यार्थी, अतिथि सेवा सुचार रूप से चल रही है। सभी उत्सव, समैया, त्योहार परंपरागत रूप से मनाया जा रहा।

महाराज श्री ने सेवा को ही अपना धर्म माना। उसी को अंगीकार किया। आजीवन सेवा ही परमोधर्मा के मार्ग पर चले। अपने शिष्य–अनुयायियों को सेवा के लिए प्रेरित किया। अंत में महंत रामनरेश शरण ने पधारे हुए संत–महंतों का स्वागत–सम्मान कर भेंट, विदाई। पुण्यतिथि पर कनक भवन के दिनेश पुजारी समेत अन्य मौजूद रहे।

बाल दिवस पर बच्चों के लिए स्टाल व फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने मोहा मन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लिटिल फ्लावर्स स्कूल बस्ती में बाल दिवस के शुभ अवसर पर बच्चों के खाने के लिए शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं समन्वयकों (कोर्डिनेटरों) ने स्टाल लगाया और प्लेवे से लेकर कक्षा–2 तक के बच्चों के लिए फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया । स्टाल में पश्चिमी खाद्य सामग्रियों के साथ–साथ खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने भरपूर आनंद उठाया । ड्रेस प्रतियोगिता का शुभारम्भ विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया । समस्त कार्यक्रम में प्रबंधक महोदय के साथ–साथ विद्यालय की प्रधानाचार्या अपर्णा सिंह ने अपनी सहभागिता दर्ज किया । कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक महोदय ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया । उन्होंने कहा कि बच्चें अत्यंत कोमल प्रवृत्ति के होते हैं, उन्हें एक शिक्षक निर्देशित करते सद्घ्मार्ग पर ला सकता है। फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता के निर्णायक समिति के सदस्यों में रजनी एवं कुसुम शिक्षिकाओं ने प्रत्येक बच्चों के फैन्सी ड्रेस का सूक्ष्म अवलोकन तीन विन्दुओं पर करते हुए उचित अंक प्रदान किया । अंत में प्राप्तांकों की गणना करके विजेताओं का नाम घोषित किया । अयांश द्विवेदी, अक्षिका सिंह, अभिज्ञान ने प्रथम स्थान एवं तनुष दिवेदी, अयांश श्रीवस्तव, शौर्य यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । प्रतियोगिता का समापन विद्यालय की प्रधानाचार्या अपर्णा सिंह ने अपने सम्बोधन से किया। अपने सम्बोधन के दौरान उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पं. जवाहर लाल नेहरू के संक्षिप्त जीवनी पर प्रकाश डालते हुए सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामना देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किया ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अर्पिता सिंह, सन्ध्या तिवारी, पूजा जयसवाल, प्रीति अस्थाना ने विशेष योगदान दिया । इस अवसर पर तन्मय पाण्डेय, राजमणि वर्मा, यश उपाध्याय, शशांक शुक्ल, मगहफूर अहमद, मधु सिंह, शशि, रुचि, डिम्पल आदि सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे।

एक करोड़ की ब्राउन शुगर बरामद, तीन गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। एसओजी और दरगाह थाने की संयुक्त टीम ने गुरुवार को तीन मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। एसओजी व दरगाह थाने की संयुक्त टीम ने गुरुवार को शहर के तीन स्थानों से तीन मादक पदार्थ तस्करों को धर दबोचा। इनके पास से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर बरामद हुई। जिसकी अन्तरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत एक करोड़ से अधिक आंकी गई है। इनमें दो तस्कर बाराबंकी जिले के हैं। जो बड़ी डिलीवरी देने आए थे। एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि स्वाट प्रभारी दिवाकर तिवारी को गुरुवार सुबह भनक लगी कि कुछ तस्कर मादक पदार्थ की बड़ी खेप लेकर शहर आए हैं। जिस पर उन्होंने अपनी टीम के साथ तलाश शुरू की। एएसपी सिटी रामानंद प्रसाद कुशवाहा के पर्यवेक्षण में सीओ सिटी रमेश पांडेय के नेतृत्व में स्वाट टीम चांदपुरा चौराहे पहुंची। वहां गश्त पर निकले दरगाह में तैनात उपनिरीक्षक दिवाकर मिश्रा, सिपाही राहुल वाजपेयी, सत्यपाल मिले। उन्हें साथ लेकर एक संदिग्ध को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 4 पैकेट में 220 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। कड़ाई से पूछताछ में मिले इनपुट पर इसी टीम ने बस स्टैंड पर दबिश देकर एक संदिग्ध पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 6 पैकेट में तीन सौ ग्राम ब्राउन शुगर मिली। पकड़े गए तस्कर की पहचान बाराबंकी जिले के जैदपुर थाने के चंदौली निवासी सहादत अली उर्फ पहलवान के रूप में हुई। उससे पूछताछ के बाद अगली दबिश गोलवा घाट पर देकर एक संदिग्ध पकड़ा। उसके पास से भी तीन सौ ग्राम ब्राउन शुगर मिली। यह चंदौली निवासी सानू था।

इन तीनों के पास से 12,063 रुपये बरामद किए गए। इसके अलावा कैंची, चम्मच, पैकिंग के लिए व्हाइट पेपर आदि मिला। गहन पूछताछ के बाद आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। कोर्ट में तीनों आरोपियों को पेश करने पर जेल भेज दिया गया है।

छोटे–छोटे बच्चों ने मनाया चाचा नेहरू का जन्मदिन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।प्रोमिनेंट पब्लिक स्कूल के छोटे–छोटे बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ चाचा नेहरू का जन्म दिवस मनाया। नेहरू जी देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे और उस समय देश आजाद हुआ था, अतरू बहुत ही जिम्मेदारी थी देश व देश के नागरिकों के प्रति जिन्हें उन्होंने बहुत ही समझदारी पूर्वक निभाया। क्योंकि वह बच्चों को बहुत प्यार करते थे अतः उनका जन्म दिवस चिल्ड्रन डे के रूप में मनाया जाता है। उक्त अवसर पर बच्चों के स्पोर्ट्स कंपटीशन हुए तथा पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही मुस्कान व प्रॉमिनेंट के सभी बच्चों को ट्रॉफी व गुब्बारे भी दिए गए। बच्चों ने नृत्य ,कविता,माइम आदि के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। उक्त अवसर पर प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी, संगीता यादव, संदीप यादव, अनीता सोनकर, उषा यादव, अंकिता,पूजा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ रानी अवस्थी ने अपने संदेश में बच्चों को कहा कि देश की आजादी में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान को काम नहीं माना जाएगा और देश की आजादी के बाद जब वह प्रथम प्रधानमंत्री बने तो हमारे देश में संसाधनों की कमी थी, कम संसाधनों के बावजूद उन्होंने देश को विकास के रास्ते पर अग्रसर किया और आज देश के विकास में उनके योगदान को काम करके नहीं आता जा सकता।

अखिल भारतीय त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 18 से

संवाददाता–कुशीनगर। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन द्वारा प्रायोजित एवं श्रीनाथ संस्कृत महाविद्यालय के संयोजन में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 18 नवंबर से प्रारंभ होगी। इसकी जानकारी आयोजन समिति के संरक्षक व प्रबंधक अग्निवेश मणि एवं महाविद्यालय के मंत्री गंगेश्वर पाण्डेय ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि महर्षि सांदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के ख्यातिलब्ध विद्वानों की उपस्थिति होगी, जिसमें वेदोपवेद एवं तन्मूलक भारतीय चिंतन विषय पर चर्चा होगी। संगोष्ठी में कुल आठ सत्र होंगे। संगोष्ठी में एलबीएस राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मुरली मनोहर पाठक, प्रोफेसर राममूर्ति चतुर्वेदी पूर्व अध्यक्ष संस्कृत, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ काशी, प्रो ओमप्रकाश पाण्डेय पूर्व अध्यक्ष संस्कृत लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो बनारसी त्रिपाठी डीडीयू गोरखपुर, प्रो जयप्रकाश नारायण द्विवेदी द्वारका, प्रो मनोज कुमार मिश्र अध्यक्ष, वेद विभाग केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा प्रयागराज सहित अनेक ख्यातिलब्ध विद्वानों की उपस्थिति होगी। प्रथम दिवस पर सायंकाल संस्कृत कवि गोष्ठी एवं द्वितीय दिवस पर संगीत संध्या का कार्यक्रम होगा। संगोष्ठी में शोध छात्र एवं शैक्षिक संस्थान के अध्यापक भी अपना पंजीकरण कराकर प्रतिभाग कर सकते हैं।

जीवीएम कान्वेंट स्कूल मे धूमधाम से मना बाल दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस पूरे देश में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर जी वी एम कान्वेंट स्कूल परिसर में बाल दिवस बड़े ही उत्साह नई उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बालमेले का आयोजन हुआ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह एवं प्रधानाचार्य विजयलक्ष्मी सिंह ने मां सरस्वती और चाचा नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। संबोधित करते हुए संतोष सिंह ने कहा कि विद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर बाल मेले में बच्चे अपने–अपने स्टाल लगते हैं। जिसमें उन्हें सामान को बेचने एवं खरीदने का व्यावहारिक ज्ञान भी होता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ग्रुप डांस सोलो डांस फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवम प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं कराई गई। इस अवसर पर विद्यालय में आयोजित कराए जाने वाले प्रोग्रामो में रंगोली बनाओ राखी बनाओ एवं नेशनल न्यूट्रिशन वीक जैसे कार्यक्रमों में प्रतिभागी बच्चों को सम्मानित किया गया और उन्हें प्रमाण पत्र दिए गए। साथ ही कुआनो आरती में प्रतिभागी बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कक्षा प्ले वे बेबी एलकेजी यूकेजी के बच्चों ने आकर्षक ग्रुप डांस किया और लोगों की वाहवाही लूटी सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले बच्चों में आदर्श, अद्विक,जाह्नवी, वैभव, स्वरा, यश, निकिता, आयुष, सिदरा, तृषा, अक्षत, अहमद, स्वप्निल, दिव्या, रिद्धि अन्वी, तन्वी, आरोही सलोनी, मनस्वी, अविका, शिवांगी, प्रियांशी ,सौम्या, अंशिका, अमूल्य, स्निग्धा, आराध्या, रोशनी, आरती, राजश्री अविका स्नेहा अंशु मुख्य रहे कार्यक्रम का संचालन मानसी, श्रेयांशी, तेजस, सार्थक, अंशिका अमूल्या , नित्या, श्रेया राणा, एवं विद्यालय के अध्यापक प्रिंस एवं अध्यापिका नमरा की देख रेखा में हुआ इस अवसर पर राकेश, राजेश, सुधांशु, जयप्रकाश, अंकुश, उपेंद्र, दिवाकर, मनीष, सुधीर, जितेंद्र,विजय मोहन, पंकज, पवन, प्रवीण, मीनाक्षी, ममता, अनन्या, श्रुति समेत आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सेवा को ही धर्म मानते थे सदगुरुदेव भगवान -उद्धव शरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। संतो के सराय वैष्णो नगरी अयोध्या के परम सिद्ध तपस्वी,श्री रामप्रिया कुंज रामकोट के बैकुंठ वासी महंत श्री श्री 1008 परमहंस कृष्ण शरण महाराज की 15 वीं पुण्यतिथि अयोध्या के संतो महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्री महाराज जी भजनानंदी संत थे और सेवा को ही धर्म मानते थे। श्री महाराज जी हमेशा सनातन धर्म को मजबूत करने का कार्य करते रहे है।

श्रीधाम अयोध्या के महान संतों में एक संत थे जो हमेशा प्रभु का नाम जपते रहते थे। श्री महाराज जी के शिष्य परमहंस कृष्ण शरण चौरिटेबल सेवा ट्रस्ट व श्री राम प्रियाकुंज रामकोट की वर्तमान महंत डॉ स्वामी उद्धव शरण महाराज ने श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर कहा कि श्री गुरुदेव भगवान भजनानंदी संत थे, आज उनके 15 वें वैकुंठोत्सव उन्हीं के आशीर्वाद से मनाया जा रहा है। इस उत्सव पर श्री सीताराम नाम संकीर्तन और वृहद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या

के संतों महंतों को प्रसाद पवाया गया। श्रद्धांजलि सभा में दशरथ महल बड़ा स्थान के महंत बिंदुग्द्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य, मणिरामदास छावनी उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, जगतगुरू रामानुजाचार्य स्वामी रघुनाथ देशिक, सुग्रीवकिला के स्वामी अनंत पद्मनाभाचार्य, महंत रामशरण दास रामायणी, अनी अखाड़ा के श्री महंत मुरली दास, महासचिव नंदराम दास, श्री राम आश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती, सरयू कुंज महंत राममिलन शरण, महंत पवनकुमार दास, महंत अर्जुन दास, महंत वीरेंद्र दास, महंत माधवदास रामायणी, महंत उत्तम दास, पहलवान राजेश दास, महंत रामरसिक शरण, हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास,संत विद्याभूषण शरण, महंत अवनीश दास, महंत रामभद्र शरण, महंत कृष्णकुमार दास, महंत अवधकिशोर शरण, महंत मणिराम दास, महंत रामनारायण दास, महंत गोविंद दास, महंत महेश दास, व्यास श्याम दास, कनक भवन के पुजारी दिनेश जी, संतदास, महंत मनीष दास,पहलवान घनश्याम दास, नंदकुमार मिश्र आदि समेत मंदिर से जुड़े शिष्य–परिकर, अनुयायी उपस्थित रहे।

सिर में गोली मारकर हत्या: गोरखपुर में डिलीवरी ब्वाय शाम को घर से निकला, सुबह मिला शव

संवाददाता–गोरखपुर। धीरेंद्र दूबे एक ऑनलाइन फूड की कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के पद पर काम करता था। रोजाना सुबह से लेकर शाम तक शहर में बुकिंग के आधार पर खाने की डिलीवरी करता था। बुधवार की शाम को धीरेंद्र घर से निकला था। लेकिन, कहां जा रहा, ये किसी को नहीं बताया था। देर रात तक धीरेंद्र घर नहीं लौटा तो इंतजार कर परिजन सो गए। सुबह धीरेंद्र के शव मिलने की सूचना घर पहुंची तो परिजन बेसुध हो गए। बृहस्पतिवार की सुबह गोरखपुर में दो हत्या के मामले सामने आ गए। पहले सहजनवा थाना क्षेत्र के भिटहा गांव में सुबह टहलने गए लोगों ने खेत किनारे पड़े शव को देखा। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान सीहापार के धीरेंद्र दूबे(32) के रुप में की। युवक के सिर में सटा कर गोली मारी गई थी।

इससे हत्यारों की जघन्यता साफ नजर आती है। शव मिलने के बाद मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक की टीम भी पहुंच गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद फोरेंसिक विभाग ने मौके से बाइक व कुछ अन्य जगहों से नमूने एकत्र किए हैं।

जानकारी के मुताबिक, धीरेंद्र दूबे एक ऑनलाइन फूड की कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के पद पर काम करता था। रोजाना सुबह से लेकर शाम तक शहर में बुकिंग के आधार पर खाने की डिलीवरी करता था। देर रात तक धीरेंद्र घर नहीं लौटा तो इंतजार कर परिजन सो गए। सुबह भिटहा गांव के पास स्थानीय लोग टहलने निकले थे। उन्होंने धीरेंद्र का खून से लथपथ शव देखा और पास में ही खड़ी एक दो पहिया गाड़ी भी। इसपर नंबर नहीं लगा था। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

धीरेंद्र अपने परिवार में सबसे छोटा था और उसके पिता घर पर ही खेती–बाड़ी का काम करते हैं। सहजनवा थाना प्रभारी विशाल उपाध्याय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा थाना हरपुर बुदहट क्षेत्र के छपिया गांव में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। संगीता पत्नी रविन्द्र यादव की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। हत्या कर महिला के शव को खेत में फेंक दिया गया था। पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुटी है।

फावड़े से काट कर महिला की हत्या, खेत में मिली लाश

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के हरपुर बुदहट में एक महिला की फावड़े से काटकर हत्या कर दी गई। उसकी खून से लथपथ लाश गांव के ही एक खेत में मिली। परिवार के लोग महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना हरपुरबुदहट इलाके के चरनाद छपिया गांव की है। महिला की हत्या की सूचना पाते ही एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और घटना स्थल का जायजा लेने के साथ ही परिवार के लोगों से बातचीत भी किए। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर में बताया परिवार के लोगों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया, हरपुरबुदहट इलाके के चरनाद छपिया गांव के रहने वाले रविंद्र यादव की पत्नी संगीता यादव (40) गुरुवार की सुबह घर से शौच के लिए खेत की तरफ गई थी। लेकिन काफी देर बीत जाने के बाद भी वे घर नहीं लौटी। परिवार के लोगों ने जब उन्हें गांव में ढूंढना शुरू किया तो गांव के सिवान के पास वे खून से लथपथ हालत में पड़ी मिलीं। परिवार के लोग उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों ने गांव के ही एक व्यक्ति पर संगीता की फावड़े से काटकर हत्या का आरोपी लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी हुई है।

राजन इंटरनेशनल एकेडमी में बाल मेला का आयोजन, बच्चों ने मनवाया प्रतिभा का लोहा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंडल मुख्यालय स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान राजन इण्टरनेशनल एकेडमी में 'भव्य बाल मेले' व 'विज्ञान प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 12 वीं तक के छात्र–छात्राओ ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि एकेडमी खलीलाबाद के पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण चौबे उर्फ "जय चौबे" ने किया। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रूप में एकेडमी की प्रबंधक शिखा चतुर्वेदी रहीं। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत राजन इंटरनेशनल एकेडमी की प्रबंधक शिखा चतुर्वेदी व राजन महिला डिग्री कॉलेज के प्राचार्य संजीव पाण्डेय व राजन इंटरनेशनल एकेडमी के प्रिंसिपल शानू एंटोनी ने किया। मुख्य अतिथि ने सभी अतिथियों के साथ मिलकर संस्था के संस्थापक पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी व मां सरस्वती के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित किया।

सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने माता सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ पूर्वांचल के मालवीय कहे जाने वाले स्वर्गीय पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किये।

कार्यक्रम के शुभारम्भ के बाद आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी को बुके, स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र प्रदान कर शिखा चतुर्वेदी ने सभी को सम्मानित किया।

प्रतियोगिता चार हाउसों के बीच थी जिसमे सबसे अधिक अंक प्राप्त करके ब्लू हाउस विजेता रही।

इसके बाद बाल मेला और विज्ञान प्रदर्शनी का सभी अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। मुख्य अतिथि ने फीता काटकर कार्यक्रम का उदघाटन किया। राजन इंटरनेशनल एकेडमी में आयोजित बाल मेले एवं विज्ञान प्रदर्शनी में मुख्य आकर्षण स्टाल पर लगे स्वादिष्ट व्यंजन व विज्ञान प्रदर्शनी में लगे हुए विविध माडलो की प्रदर्शनी रही। 'स्वच्छता अभियान' के तहत लगाई गयी 'स्टाल' व 'विज्ञान प्रदर्शनी' रही। सोलर कूलर, मिशाइल, गोबर गैस प्लांट, इत्यादि लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर मुख्यातिथि के साथ आये हुए अन्य अतिथियों ने एकेडमी में पढ़ने वाले से सभी छात्र–छात्राओं द्वारा लगाये गये 'स्टाल्स' पर जाकर बच्चो द्वारा बनाये गये स्वादिष्ट व्यंजनो का जायका भी लिया।

एकेडमी परिसर में आयोजित बाल मेले एवं विज्ञान प्रदर्शनी को देख आये हुए अतिथियों ने इसकी जमकर प्रशंसा करते हुए बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

एकेडमी के कार्यकारी निदेशक संजीव पांडेय और प्रबंध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी के साथ एकेडमी में बतौर मुख्यातिथि जय चौबे ने बच्चों के द्वारा लगाए गए स्टॉल को देखा और उसकी जमकर सराहना की, एकेडमी के प्रबंध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी ने विज्ञान प्रदर्शनी में लगे स्वास्थ्य जॉच उपकरण प्रदर्शनी ब्लड सर्कुलेशन सिस्टम, ग्रीन सिटी गोबर गैस प्लांट एवं अन्य प्रोजेक्ट से खुश होकर सभी बच्चो को सराहना करते हुए पुरस्कार देकर उनका मनोबल बढाया। बाल मेले के अवसर पर जय चौबे ने कहा कि जिस तरीके से राजन इंटरनेशनल एकेडेमी के छात्र छात्राओं ने कम समय में बेहतर प्रस्तुति करते हुए अपने प्रतिभा का जौहर दिखाया है, उसे देख ये लगता है कि राजन ग्रुप के बच्चे आगे चलकर देश को आगे बढ़ाने में अपनी एक अहम भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र यदुवंशी जीत ने किया। कार्यक्रम में सुमन दूबे, रेखा श्रीवास्तव, पूनम गुप्ता, प्रमिला शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी, नीलम श्रीवास्तव, निशु उपाध्याय, शालिनी श्रीवास्तव,अन्नू, सुष्मिता मन्ना, सुष्मिता पाण्डेय, नेहा अबरोल, आकृति पाण्डेय, सौम्या पाण्डेय,जानवी शुक्ला, दीपांजलि, रीना पाण्डेय, नैन्सी वर्मा, आकृति साहू, आकृति पाण्डेय,तहजीब फातिमा, अर्चना पटेल,अर्चना द्विवेदी, रूपा जायसवाल, सुषमा गुप्ता, हर्षिका शुक्ला, फातिमा सिद्दीकी, रजनी श्रीवास्तव, फरहत फातिमा, शहनाज यूनुस, नलिनी गुप्ता, ज्योति पाण्डेय, माया सिंह, मनीषा गुप्ता, प्रभा त्रिपाठी, श्रद्धा पाण्डेय, शालिनी श्रीवास्तव, कोमल गुप्ता, आशीष कसौधन, प्रेरणा सिंह, प्रभात त्रिपाठी, साक्षी मिश्रा, दीपाली वर्मा, माया शुक्ला, सिमरन गुप्ता, शालिनी श्रीवास्तव, अभिरामी, वेदिका गुप्ता, शिक्षा बरनवाल, रिया दुबे, खदीजा परवीन, अंजलि चौरसिया, अमित मिश्रा, राम स्वरूप यादव, सौरभ पाण्डेय, अनूप पाण्डेय, रचित गुप्ता, मनजीत सिंह, संजय तिवारी, मोहम्मद सारिक, कुशाग्र मिश्रा, दीप कमल सिंह, गोपाल सिंह, किरण के विस्टन, ज्वैल थॉमस,शिवांश उपाध्याय, शुभम पटेल, रवि प्रकाश तिवारी, अभिषेक कुमार धर्मेंद्र तिवारी, गौतम प्रकाश, विकास कुमार चतुर्वेदी अभय कुमार पाण्डेय सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना बाल दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बाल दिवस के उपलक्षय में दिल्ली पब्लिक सीनियर स्कूल और यूरो किड्स पचपेडीया रोड बस्ती में बच्चों में उद्यमिता और सामूहिक भावना को विकसित करने के लिए फूड फेस्ट और खेल का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने पारंपरिक विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के अलावा पश्चिमी व्यंजन का स्टाल लगाया। अभिभावक स्कूल के सीनियर छात्र छात्रा तथा विद्यालय निदेशक, स्कूल के अध्यापकों ने बच्चों से खरीदारी की। विभिन्न प्रकार के खेल कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह और उनकी खेल भावना देखते ही बनती थी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक अमरमणि पांडेय, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अर्चना पांडेय ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी और चाचा नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थापिका दिव्या पाठक ने बच्चों को चाचा नेहरू के जीवन उनके देश के आजादी के योगदान और बच्चो के प्रति प्रेम के बारे में बताया। कार्यक्रम में नीलम चौधरी, के. बी.लाल, लक्ष्मी वर्मा, रिचिका सिंह, पूजा शुक्ला, संजू सिंह, रिया सिंह, प्रिया, सुमन गुप्ता,अवनी गुप्ता, दिव्या सिदरा फातिमा आदि मौजूद रहे।

कोहरे का कहर, फोरलेन पर टकराई 7 गाड़ियां

संवाददाता–गोरखपुर। कोहरे की चादर ने गुरुवार की तड़के फोरलेन पर कोहराम मचा दिया। बाघागाड़ा पुल के पास एक के बाद एक हुई सात गाड़ियों की टक्कर में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने 50 वर्षीय बस ड्राइवर की हालत गंभीर देखकर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जबकि 30 वर्षीय एक मजदूर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शेष घायलों को मामूली चोटें आने की वजह से जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथिमिक इलाज के बाद उनकी छुट्टी कर दी। उधर गीडा पुलिस सभी गाड़ियों को अपने कब्जे में लेकर घटना की जांच कर रही है।

गीडा थाना क्षेत्र के बाघागाड़ा पुल के पास सुबह करीब 5:30 बजे भीषण कोहरे के बीच हरियाणा से जेनरेटर लादकर गुवाहाटी जा रही ट्रेलर ने आगे चल रहे एक पिकअप को ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार रही कि पिकअप डिवाइडर के बीच जाकर पलट गई। तभी दिल्ली से 46 सवारियों को बैठाकर बिहार के सीतामढ़ी के जा रही एक बस अचानक अनियंत्रित होकर फोरलेन से खाई में चली गई। हालांकि इस हादसे में किसी को चोटें आने की खबर नहीं है। उधर पिकअप में ठोकर मारनेवाली ट्रेलर में अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगने से उसके पीछे–पीछे चल रही एक और सवारी बस पीछे से ट्रेलर में घुस गई। इस घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। बस ड्राइवर 50 वर्षीय अविनाश गंभीर रूप से घायल हो गया है। वह बिहार के सीतामढ़ी जिले के भवानीगढ़ का रहनेवाला है। जबकि पैसेंजर श्यामसुंदर, जोखू आदि को मामूली चोटें आई हैं। इसी के बाद फिर एक ईंट लदी ट्रैक्टर–ट्राली और बस में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार रही कि ट्राली के परखच्चे उड़ गए। इस दौरान लखनऊ से बाइक चलाते घर लौट रहा कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के बगपरना गांव का रहनेवाला 30 वर्षीय मजदूर फूलचंद चौधरी घायल हो गया। उसका दाहिना पैर टूट गया है। जिला अस्पताल के मेल आर्थो वार्ड में भर्ती कराया गया है। इस घटना में ट्रैक्टर ड्राइवर भी घायल बताया जा रहा है। इसी दौरान सरिया लादकर जा रही एक अन्य ट्रैक्टर–ट्राली ने भी एक बाइक सवार को टक्कर मार दी।

कोहरे के बीच हुई दुर्घटना की वजह से बाघागाड़ा फोरलेन पर तेनुआ टोल प्लाजा तक करीब पांच किलोमीटर का लंबा जाम लग गया। गीडा पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद सभी गाड़ियों को अपने कब्जे में लेकर जाम खुलवाया।

खड़ी पिकअप से भिड़े बाइक चालक, दो गंभीर रूप से घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के तिवारीपुर चौराहे के पास एक बाइक सवार दो लोग खड़ी पिकअप से भिड़ गए। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बांसी में लाया गया जहां से एक की हालत गंभीर देख उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। रास्ते से गुजर रहे पूर्व शिक्षा मंत्री ने घायलों को अस्पताल भेजवाया। गुरुवार दोपहर शनिचरा निवासी चंद्री (35) पुत्र झीनमुन व गोलू (25) पुत्र राम प्रसाद एक ही बाइक से तिवारीपुर चौराहे पर किसी काम से आए थे। इस दौरान वह वहां पर रुक कर इटवा की तरफ जाने लगे। कुछ ही दूरी पर सड़क के किनारे खड़ी एक पिकअप में जाकर सामने से भिड़ गए। चंद्री और गोलू दोनों को गंभीर चोटें आई।

सपा के बागी विधायक ने रामलला के दरबार में माथा टेका, हजारों भक्तों के साथ पदयात्रा कर पहुंचे रामनगरी

संवाददाता–अयोध्या। अमेठी के गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह हजारों रामभक्तों के साथ चार दिन की पदयात्रा कर अयोध्या पहुंचे और रामलला के दरबार में माथा टेका। अमेठी के समाजवादी पार्टी के बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह ने सरयू स्नान करने के बाद राम लला के दरबार में माथा टेका। विधायक हजारों रामभक्तों के साथ चार दिनों की पदयात्रा करके अमेठी से अयोध्या पहुंचे थे। गौरीगंज विधायक की पदयात्रा का कई स्थानों पर स्वागत किया गया। उन्होंने अयोध्या धाम में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी से भी मुलाकात की। उनकी यात्रा में सपा के गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने भी सहयोगी की भूमिका निभाई।

नदी लील गई आशियाना, अब रहने का ठौर नहीं

संवाददाता–अयोध्या। रामपुर पुवारी माझा क्षेत्र में पिछले एक माह से सरयू नदी की कटान ने कई परिवारों को बेघर कर दिया है। इस कटान से प्रभावित हुए परिवार आज भी संघर्ष कर रहे हैं। असरफा ,शकूरनिशा, राहुल और शीला प्रभावित परिवारों की हालत बेहद कठिन है। उनके घर, संपत्ति और आशियाने नदी की धारा में समा गए हैं। अब उनके पास रहने के लिए एक धुर भी जमीन नहीं बची है। ग्राम प्रधान रमेश निषाद ने बताया कि कई बार इन पीड़ितों की स्थिति को लेकर अधिकारियों को सूचित किया गया, लेकिन अयोध्या मेला ड्यूटी में व्यस्त रहने के कारण प्रशासन ने इन लोगों की मदद में कोई तत्परता नहीं दिखाई। कटान से प्रभावित इन परिवारों ने अब इधर–उधर मेहनत–मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का पेट पालने की कोशिश शुरू कर दी है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष **2015** अनुक्रमांक **2386312** का अंक पत्र एवं सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(रोहित कुमार)
पुत्र श्री रामललन
ग्राम– रानीपुर
पोस्ट–रसूलपुर
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)
मो0 7860697328

ई–केवाईसी कराएं, वरना रुक सकती है आपकी सब्सिडी

संवाददाता–गोरखपुर। उपभोक्ताओं की सही संख्या पता लगाने के लिए रसोई गैस कंपनियां अपने उपभोक्ताओं की ई–केवाईसी करा रही हैं। ई–केवाईसी उपभोक्ता का बॉयोमीट्रिक या फोटो स्कैन कर किया जा रहा है। इसके लिए एजेंसियां उपभोक्ताओं को फोन कर ई–केवाईसी के लिए बुला रही हैं। साथ ही हॉकरों के माध्यम से भी उपभोक्ताओं से संपर्क किया जा रहा है।

कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक ई–केवाईसी न कराने वाले उपभोक्ताओं का सब्सिडी रोकी भी जा सकती है। जिले में रसोई गैस की तीन कंपनियों के लगभग 12 लाख उपभोक्ता हैं। इंडियन ऑयल के सेल्स ऑफिसर के मुताबिक, कंपनी में उज्ज्वला गैस के एक लाख सात हजार उपभोक्ता पंजीकृत हैं। जबकि सामान्य रसोई गैस के छह लाख उपभोक्ता हैं। फिलहाल अभी रसोई गैस कंपनियां एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं की सभी संख्या पता लगाने के लिए ई केवाईसी करा रही हैं। ई–केवाईसी से ऐसे ग्राहकों का पता चल सकेगा, जिनकी मौत हो चुकी है और उनके संबंधी रसोई गैस उठा रहे हैं। या फिर ऐसे उपभोक्ता जो गोरखपुर में नहीं रहते हैं, उनका रसोई गैस सिलिंडर कोई दूसरा उठा रहा है। भारत गैस के सेल्स ऑफिसर अभिषेक के मुताबिक, उज्ज्वला योजना के तहत जनपद में 67,100 उपभोक्ता हैं, जबकि सामान्य रसोई गैस के 1,28,300 उपभोक्ता हैं।

उज्ज्वला रसोई गैस के 49 हजार उपभोक्ता और सामान्य रसोई गैस के 42 हजार उपभोक्ताओं ने अब तक ई–केवाईसी कराई है। उपभोक्ताओं की ई–केवाईसी कराने के लिए रसोई गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं।

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मशहूर अली पुत्र श्री हाजी इस्लाम अली, सचिव/प्रबंधक की हैसियत से संस्था नूर मस्जिद, ग्राम पचलोरिया, पोस्ट–अजगैवा जंगल, तहसील–भानपुर जनपद बस्ती के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 01. श्री मुस्ताक अहमद अध्यक्ष 2. श्री अब्दुल करीम वेग उपाध्यक्ष 3. श्री मशहूर अली सचिव/प्रबंधक 4. श्री सई मोहम्मद–उपप्रबंधक 5. श्री मोहम्मद युसुफ कोषाध्यक्ष 6. श्री मोहम्मद हुसेन सदस्य 7. श्री अनवर अली–हकीमुल्लाह–सदस्य दशांये गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर संस्था के पजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

आज्ञा से
(बी0के0 सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार
गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 264/2020
राम अग्गर
बनाम
शिव कुमार आदि

बनाम–1–शिव कुमार पुत्र प्रहलाद साकिन बरगदवा हाल मुकाम महादेवा तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. भानु प्रताप सिंह कानूनगो हर्रैया तहसील हर्रैया 3. सोनिया वर्मा हल्का लेखपाल ग्राम महादेवा 4. अख्तर आलम लेखपाल 5. चन्द्रभूषण प्रताप तहसीलदार तहसील हर्रैया 6. राघव शरण सिंह पुत्र सीतासरन सिंह ग्राम महादेवा तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 7. शिवाकान्त एस0ओ0 पैकोलिया तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–12–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 12 के 19 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 238/2020
कपिलमुनि
बनाम
जयनरायन आदि

1. पुष्पा 2. वेवी 3. नीलम 4. सुमन उर्फ ऊषा पुत्रीगण स्व0 गोमती प्रसाद साकिनान मौजा मधुकरपुर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–12–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 64/2020
आसमा खातून
बनाम
गुरू प्रसाद आदि

2/1 विरेन्द्र उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र गुरूसरन 2/2 प्रभाकर उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र गुरूसरन 6./1 परमात्मा उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र स्व0 रामलगन निवासीगण मौजा मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–11–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–215/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
भजुराम यादव
बनाम
राजन यादव आदि

1. राजन यादव पुत्र रामकरन 2. राजू यादव पुत्र जयराम 3. जयराम यादव पुत्र ईशरी यादव साकिनान मौजा मूड़ाडीहा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान उप संचालक चकबन्दी महोदय बस्ती जिला बस्ती
निगरानी/कायमी सं0–103
धारा 48 जो0च0अधि0
जोखू आदि
बनाम
राजेन्द्र आदि

साकिन बेलहरकला तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव वर्तमान तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर
1. गोरखनाथ पुत्र राजमणि 2. बधिराम पुत्र मुराव साकिन बेलहरकला तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव वर्तमान तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 04–12–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 12 के 04 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के 11 माह 13 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com